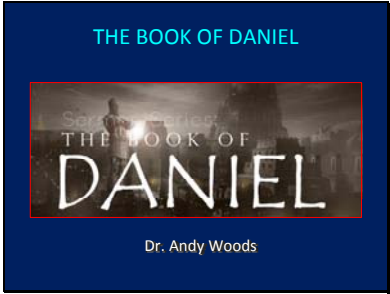


Slide 1




---

---

---

---

---

---

---

---

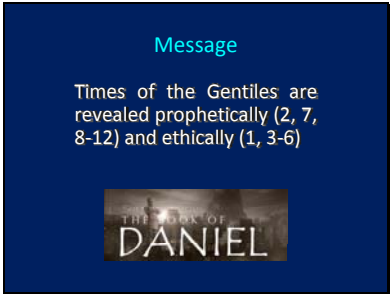
---

---

---

---

Slide 2




---

---

---

---

---

---

---

---

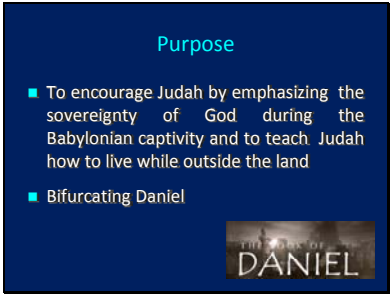
---

---

---

---

Slide 3




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

**Synthetic Outline**

I. Historical (1-7):  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

**Synthetic Outline**

II. Prophetic (8-12):  
Angel interprets, 1st person, Jewish nation, Hebrew

- A. Ram & Goat (8)
- B. 70 weeks (9)
- C. Final vision (10-12)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

**Synthetic Outline**

I. Historical (1-7):  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

A. Intro "Hebrew" (1)

B. Aramaic chiasm (2-7)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

1. Gentile History (2)  
2. Protection (3)  
3. Revelation to a gentile king (4)  
3. Revelation to a gentile king (5)  
2. Protection (6)  
1. Gentile history (7)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 9

**Chapter 2 Outline**

- Nebuchadnezzar's dream (2:1)
- Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
- Dream revealed to Daniel (2:14-23)
- Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)
- The dream's contents & interpretation (2:31-45)
- Daniel's promotion (2:46-49)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 10

**Chapter 2 Outline**

- **Nebuchadnezzar's dream (2:1)**
- Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
- Dream revealed to Daniel (2:14-23)
- Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)
- The dream's contents & interpretation (2:31-45)
- Daniel's promotion (2:46-49)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**Succession of Gentile Rulers**

- **1-4: Nebuchadnezzar of Babylon**
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media-Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media-Persia
- 10-12: Cyrus of Media-Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 16

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 19

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)



1. Gentile History (2)
2. Protection (3)
3. Revelation to a gentile king (4)
3. Revelation to a gentile king (5)
2. Protection (6)
1. Gentile history (7)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- **Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)**
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- **Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)**
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 22

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

Daniel's Age		
CHAPTER	EVENTS	AGE
1	Taken into Babylonian Captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2nd dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-80's

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 26

Chapter 2 Outline	
■	Nebuchadnezzar's dream (2:1)
■	Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
■	<b>Dream revealed to Daniel (2:14-23)</b>
■	Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)
■	The dream's contents & interpretation (2:31-45)
■	Daniel's promotion (2:46-49)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

The Dream Is Revealed to Daniel (2:14-23)	
■	Daniel's request for time (2:14-16)
■	Daniel's prayer for revelation (2:17-18)
■	Daniel's reception of the dream (2:19)
■	Daniel praises God (2:20-23)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 28

The Dream Is Revealed to Daniel (2:14-23)

- Daniel's request for time (2:14-16)
- Daniel's prayer for revelation (2:17-18)
- Daniel's reception of the dream (2:19)
- Daniel praises God (2:20-23)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 29

The Dream Is Revealed to Daniel (2:14-23)

- Daniel's request for time (2:14-16)
- Daniel's prayer for revelation (2:17-18)
- Daniel's reception of the dream (2:19)
- Daniel praises God (2:20-23)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 30

The Dream Is Revealed to Daniel (2:14-23)

- Daniel's request for time (2:14-16)
- Daniel's prayer for revelation (2:17-18)
- Daniel's reception of the dream (2:19)
- Daniel praises God (2:20-23)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 31

**The Dream Is Revealed to Daniel (2:14-23)**

- Daniel's request for time (2:14-16)
- Daniel's prayer for revelation (2:17-18)
- Daniel's reception of the dream (2:19)
- **Daniel praises God (2:20-23)**

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

**Chapter 2 Outline**

- Nebuchadnezzar's dream (2:1)
- Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
- Dream revealed to Daniel (2:14-23)
- **Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)**
- The dream's contents & interpretation (2:31-45)
- Daniel's promotion (2:46-49)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33

**Daniel's Recitation & Interpretation of the Dream (2:24-30)**

- Report of the dream to Nebuchadnezzar (2:24-28)
- Purpose of the dream (2:29-30)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

Daniel's Recitation & Interpretation of the Dream (2:24-30)

- Report of the dream to Nebuchadnezzar (2:24-28)
- Purpose of the dream (2:29-30)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

Daniel's Recitation & Interpretation of the Dream (2:24-30)

- Report of the dream to Nebuchadnezzar (2:24-28)
- Purpose of the dream (2:29-30)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 36

Chapter 2 Outline

- Nebuchadnezzar's dream (2:1)
- Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
- Dream revealed to Daniel (2:14-23)
- Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)
- The dream's contents & interpretation (2:31-45)
- Daniel's promotion (2:46-49)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37

Contents & Interpretation of the Dream (2:24-30)

- Contents (2:31-35)
- Interpretation (2:36-45)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

Contents & Interpretation of the Dream (2:24-30)

- Contents (2:31-35)
- Interpretation (2:36-45)

---

---

---

---

---

---

---

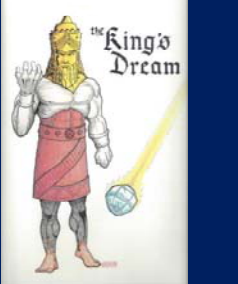
---

---

---

Slide 39

Statue & Stone



The King's Dream

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 40

Contents & Interpretation of the Dream (2:24-30)

- Contents (2:31-35)
- Interpretation (2:36-45)

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 41

Statue & Stone



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 42

6 Empires

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 32 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

**6 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

**6 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 45

**Statue & Stone**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46

	Time	Duration	Parasid King	Jewish Leader	Scripture	Purpose	Number of returnees
1 <sup>st</sup> return	538-515 B.C.	23 years	Cyrus (Isa 44:28-45:1)	Zerubbabel	Ezra 1-6; Isaiah 44:28	Rebuilding the temple	50,000
2 <sup>nd</sup> return	458-457 B.C.	2 years	Artaxerxes	Ezra	Ezra 7-10	Adorning of the temple and reforming the people	2,000
3 <sup>rd</sup> return	444-432 B.C.	8 years	Artaxerxes	Nehemiah	Nehemiah	Rebuilding the wall	

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 47



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 48

- 6 Empires
- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
  - Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
  - Greece (2:39b) ~~331-63 BC~~
  - Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
  - Rome II (2:41-43) Tribulation
  - Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49

**6 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50

**6 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

**6 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC
- Rome I (2:40) 322 BC – 476 AD
- Rome II (2:41-43) Tribulation
- Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

**Daniel 2:44-45 is Future**

- Christianity did not suddenly fill the whole earth
- Christ did not destroy Rome
- No 10 simultaneous kings in the time of Christ
- Christ was not the smiting stone
- Christ did not destroy all the kingdoms of the world
- The church is not a political kingdom

Pentecost, BKC 1336

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 53

**Emergent: Kingdom**

"He selected 12 and trained them in a new way of life. He sent them to teach everyone this new way of life...Even if only a few would practice this new way, many would benefit. Oppressed people would be free. Poor people would be liberated from poverty. Minorities would be treated with respect. Sinners would be loved, not resented."



Brian McLaren, *A Generous Orthodoxy*, 111.

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 54

**Emergent: Kingdom**

"Industrialists would realize that God cares for sparrows and wildflowers-so their industries should respect, not rape, the environment. The homeless would be invited in for a hot meal. The kingdom of God would come - not everywhere at once, not suddenly, but gradually like a seed growing in a field, like yeast spreading in a lump of bread dough, like light spreading across the sky at dawn."



Brian McLaren, *A Generous Orthodoxy*, 111.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55

Emergent: Kingdom

"The *Kingdom* of God is a *central* conversation in emerging communities... And let me tell you 'Kingdom of God' language is *really big* in the emerging church" (Italics added).



Doug Pagitt, cited in Oakland, 163.

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 56

Emergent: Kingdom

"If Revelation were a blueprint of the distant future, it would have been unintelligible to its original readers...In light of this, Revelation becomes a powerful book about the *kingdom of God here and now*, available to all."



Brian McLaren, cited in Oakland, 158.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

Kingdom



Rick Warren, cited in Oakland, Kindle edition.

"I stand before you confidently right now and say to you that God is going to use you to change the world...I'm looking at a stadium full of people right now who are telling God they will do *whatever it takes to establish God's Kingdom "on earth* as it is in heaven." What will happen if the followers of Jesus say to Him, "We are yours?" What kind of spiritual awakening will occur?"

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 58

Kingdom

"If we are to be a part of this coming kingdom, God expects our lives – our churches and faith communities too – to be characterized by these authentic signs of our own transformation: compassion, mercy, justice, and love – demonstrated tangibly. Only then will our light break forth like the dawn, our healing quickly appear, and our cries for help be answered with a divine *Here am I.*"



Stearns, *Hole in the Gospel*, 57.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 59

Kingdom

"The gospel that we have been given – the whole gospel – is God's vision for a new way of living...Christ's vision was of a redeemed world order populated by redeemed people – now. To accomplish this, we are to be salt and light in a dark and fallen world, the "yeast" that leavens the whole loaf of bread (the whole of society). We are the ones God has called to be His Church. It's up to us. We are to be the change. But a changed world requires *change agents*, and change agents are people who have first been changed themselves."



Stearns, *Hole in the Gospel*, 276, 243-44.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

Russell Moore  
President, Ethics and Religious Liberties  
Commission of the Southern Baptist Convention



"The locus of the kingdom of God in this age is within the church, where Jesus rules as king. As we live our lives together, we see the transforming power of the gospel and the in breaking of the future kingdom."

Justin Taylor, "An Interview with Russell Moore,"  
[www.thegospelcoalition.org](http://www.thegospelcoalition.org)

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 61

Bestselling author Hal Lindsey warned what could happen to the church in the last days if she began to see herself as the establisher of God's kingdom: "The last days of the church on the earth may be largely wasted seeking to accomplish a task that only the LORD Himself can and will do directly."



Hal Lindsey, *The Road to Holocaust*, 269

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 62

### Chapter 2 Outline

- Nebuchadnezzar's dream (2:1)
- Nebuchadnezzar demands the revelation & interpretation (2:2-13)
- Dream revealed to Daniel (2:14-23)
- Daniel's recitation & interpretation of the dream (2:24-30)
- The dream's contents & interpretation (2:31-45)
- Daniel's promotion (2:46-49)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 63

### The Promotion of Daniel (2:46-49)

- Personal honor (2:46)
- Praise to God (2:47)
- Promotion of Daniel (2:48)
- Promotion of Shadrach, Meshach, & Abed-nego (2:49)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 64

**The Promotion of Daniel (2:46-49)**

- Personal honor (2:46)
- Praise to God (2:47)
- Promotion of Daniel (2:48)
- Promotion of Shadrach, Meshach, & Abed-nego (2:49)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 65

**The Promotion of Daniel (2:46-49)**

- Personal honor (2:46)
- Praise to God (2:47)
- Promotion of Daniel (2:48)
- Promotion of Shadrach, Meshach, & Abed-nego (2:49)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66

**The Promotion of Daniel (2:46-49)**

- Personal honor (2:46)
- Praise to God (2:47)
- Promotion of Daniel (2:48)
- Promotion of Shadrach, Meshach, & Abed-nego (2:49)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 67

**The Promotion of Daniel (2:46-49)**

- Personal honor (2:46)
- Praise to God (2:47)
- Promotion of Daniel (2:48)
- Promotion of Shadrach, Meshach, & Abed-nego (2:49)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 68

**Takeaways from Daniel 2**

- Mosaic Law taught Israel how to live inside the land.
- The examples of the four Hebrew youths taught them how to live outside the land.
- Consecrate themselves to God 
- Live by faith from crisis to crisis entrusting the results to God.
- Allow God to promote us in His due time
- Our cue as well

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 69

**Conclusion**

---

---

---

---

---

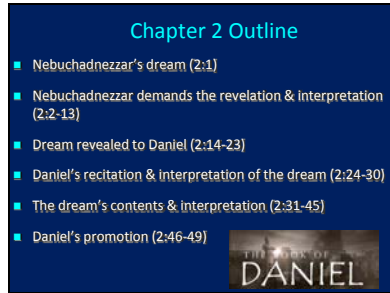
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

# 1

Dan. 1:5-The king appointed for them a daily ration from the king's choice food and from the wine which he drank, and *appointed* that they should be <sup>[i]</sup>**educated three years**, at the end of which they were to <sup>[i]</sup>enter the king's personal service.

Gen. 20:3-But God came to Abimelech in a dream of the night, and said to him, "Behold, you are a dead man because of the woman whom you have taken, for she is <sup>[c]</sup>married."

Gen. 41:1-Now it happened at the end of two full years that Pharaoh had a dream, and behold, he was standing by the Nile.

# 2-3

Rev. 19:16-And on His robe and on His thigh He has a name written, "KING OF KINGS, AND LORD OF LORDS."

# 10-11

Rev. 19:16-And on His robe and on His thigh He has a name written, "KING OF KINGS, AND LORD OF LORDS."

# 12-13



Dan. 1:10- and the commander of the officials said to Daniel, “I am afraid of my lord the king, who has appointed your food and your drink; for why should he see your faces looking more haggard than the youths who are your own age? Then you would <sup>[m]</sup>make me **forfeit my head** to the king.”

## **14-16**

Jas. 1:19- *This* you know, my beloved brethren. But everyone must be **quick to hear, slow to speak and slow to anger**

## **17-18**

Luke 18:1- Now He was telling them a parable to show that at all times they ought to pray and not to lose heart.

Luke 18:1-And he spake a parable unto them to this end, that men ought always to pray, and not to faint (KJV)

Jas. 5:16- Therefore, confess your sins to one another, and pray for one another so that you may be healed. **The effective** <sup>[o]</sup>**prayer of a righteous man can accomplish much.**

Heb. 4:16-Therefore let us draw near with confidence to the throne of grace, so that we may receive mercy and find grace to help in time of need.

## **19**

Eph. 3:3-4- that by revelation there was made known to me the **mystery**, as I wrote before in brief. <sup>4 [a]</sup>By referring to this, when you read you can understand my insight <sup>[b]</sup>into the **mystery** of Christ

Jas. 4:2- You lust and do not have; *so* you commit murder. You are envious and cannot obtain; *so* you fight and quarrel. **You do not have because you do not ask.**

Jas. 1:5-8- But if any of you lacks wisdom, let him ask of God, who gives to all generously and <sup>[h]</sup>without reproach, and it will be given to him. <sup>6</sup> But he must ask in faith without any doubting, for the one who doubts is like the surf of the sea, driven and tossed by the wind. <sup>7</sup> For that man ought not to expect that he will receive anything from the Lord, <sup>8</sup> *being* a <sup>[i]</sup>double-minded man, unstable in all his ways.

## **20**

Ps. 90:2- Before the mountains were born <sup>[c]</sup>Or You gave birth to the earth and the world, Even from **everlasting to everlasting**, You are God.

Micah 5:2- But as for you, Bethlehem Ephrathah, *Too* little to be among the clans of Judah, From you One will go forth for Me to be ruler in Israel. <sup>[d]</sup>His goings forth are from long ago, From the days of **eternity**.

## **22**

1 Tim. 6:16- who alone possesses immortality and **dwells in unapproachable light**, whom no man has seen or can see. To Him *be* honor and eternal dominion! Amen.

Rev. 22:5- And there will no longer be *any* night; and they <sup>[d]</sup>will not have need of the light of a lamp nor the light of the sun, because the Lord **God will illumine them**; and they will reign forever and ever.

## 23

Gen. 1:1- In the beginning **God** created the heavens and the earth.

Gen. 31:42- If the **God of my father**, the God of Abraham, and the fear of Isaac, had not been for me, surely now you would have sent me away empty-handed. God has seen my affliction and the toil of my hands, so He rendered judgment last night.

Philip. 4:6- Be anxious for nothing, but in everything by prayer and supplication with **thanksgiving** let your requests be made known to God.

## 26-28

Acts 14:11-15- When the crowds saw what Paul had done, they raised their voice, saying in the Lycaonian language, “The gods have become like men and have come down to us.”<sup>12</sup> And they *began* calling Barnabas, <sup>[g]</sup>Zeus, and Paul, <sup>[h]</sup>Hermes, because he was <sup>[i]</sup>the chief speaker.<sup>13</sup> The priest of Zeus, whose *temple* was <sup>[j]</sup>just outside the city, brought oxen and garlands to the gates, and wanted to offer sacrifice with the crowds.<sup>14</sup> But when the apostles Barnabas and Paul heard of it, they tore their <sup>[k]</sup>robes and rushed out into the crowd, crying out<sup>15</sup> and saying, “Men, why are you doing these things? We are also men of the same nature as you, and preach the gospel to you that you should turn from these <sup>[l]</sup>vain things to a living God, WHO MADE THE HEAVEN AND THE EARTH AND THE SEA AND ALL THAT IS IN THEM.

1 John 5:21- Little children, guard yourselves from idols.

Rev. 19:10- Then I fell at his feet to worship him. But he \*said to me, “Do not do that; I am a fellow servant of yours and your brethren who hold the testimony of Jesus; worship God. For the testimony of Jesus is the spirit of prophecy.”

Rev. 22:8-9- I, John, am the one who heard and saw these things. And when I heard and saw, I fell down to worship at the feet of the angel who showed me these things. <sup>9</sup> But he \*said to me, “Do not do that. I am a fellow servant of yours and of your brethren the prophets and of those who <sup>[f]</sup>heed the words of this book. Worship God.”

Rev. 19:16-And on His robe and on His thigh He has a name written, “KING OF KINGS, AND LORD OF LORDS.”

Dan. 10:14- Now I have come to give you an understanding of what will happen to your people in the <sup>[p]</sup>**latter days**, for the vision pertains to the days yet *future*.”

Dan. 11:35- Some of <sup>[aq]</sup>those who have insight will fall, in order to refine, purge and make them <sup>[ar]</sup>pure until the **end time**; because *it is still to come* at the appointed time.

### **32-35**

Gen. 4:17-22- Cain <sup>[i]</sup>had relations with his wife and she conceived, and gave birth to Enoch; and he built a **city**, and called the name of the city Enoch, after the name of his son.

<sup>18</sup> Now to Enoch was born Irad, and Irad <sup>[k]</sup>became the father of Mehujael, and Mehujael <sup>[l]</sup>became the father of Methushael, and Methushael <sup>[m]</sup>became the father of Lamech. <sup>19</sup> Lamech took to himself two wives: the name of the one was Adah, and the name

of the other, Zillah.<sup>20</sup> Adah gave birth to Jabal; he was the father of those who dwell in **tents and have livestock**.<sup>21</sup> His brother's name was Jubal; he was the father of all those who play the **lyre and pipe**.<sup>22</sup> As for Zillah, she also gave birth to Tubal-cain, the forger of all implements of **bronze and iron**; and the sister of Tubal-cain was Naamah.

Walvoord-The descending scale of value of the four metals suggests the degeneration of the human race through the ages, as implied in Genesis 4. Classical writers, such as Hesiod (*Works and Days*, 109–201), and Ovid (*Metamorphoses* I, 89–150), conceive of history in this way. This concept contradicts the evolutionist's interpretation of human history. Instead of man beginning in the dust and consummating in fine gold, God reveals man in the times of the Gentiles to begin with fine gold and end in dust.<sup>1</sup>

## **36**

Luke 21:24- and they will fall by the edge of the sword, and will be led captive into all the nations; and Jerusalem will be trampled under foot by the Gentiles until **the times of the Gentiles** are fulfilled.

Rev. 11:2- Leave out the court which is outside the [e]temple and do not measure it, for it has been given to the nations; and they will tread under foot the holy city for forty-two months.

## **37-38**

---

<sup>1</sup> Walvoord, J. F. (2008). *Daniel: The Key To Prophetic Revelation* (p. 66). Galaxie Software.

Dan. 4:30- he king <sup>[ab]</sup>reflected and said, ‘Is this not Babylon the great, which I myself have built as a royal <sup>[ac]</sup>residence by the might of my power and for the glory of my majesty?’

Rom. 13:1-7- Every <sup>[a]</sup>person is to be in subjection to the governing authorities. **For there is no authority except <sup>[b]</sup>from God, and those which exist are established by God.**

**<sup>2</sup> Therefore <sup>[c]</sup>whoever resists authority has opposed the ordinance of God**; and they who have opposed will receive condemnation upon themselves. <sup>3</sup> For rulers are not a cause of fear for <sup>[d]</sup>good behavior, but for evil. Do you want to have no fear of authority? Do what is good and you will have praise from the same; <sup>4</sup> for it is a minister of God to you for good. But if you do what is evil, be afraid; for it does not bear the sword for nothing; for it is a minister of God, an avenger who brings wrath on the one who practices evil. <sup>5</sup> Therefore it is necessary to be in subjection, not only because of wrath, but also for conscience’ sake. <sup>6</sup> For because of this you also pay taxes, for *rulers* are servants of God, devoting themselves to this very thing. <sup>7</sup> Render to all what is due them: tax to whom tax *is due*; custom to whom custom; fear to whom fear; honor to whom honor.

1 Tim. 2:1-4- First of all, then, I urge that entreaties *and* prayers, petitions *and* thanksgivings, be made on behalf of all men, <sup>2</sup> for kings and all who are in <sup>[a]</sup>authority, so that we may lead a tranquil and quiet life in all godliness and <sup>[b]</sup>dignity. <sup>3</sup> This is good and acceptable in the sight of God our Savior, <sup>4</sup> who desires all men to be saved and to come to the <sup>[c]</sup>knowledge of the truth.

Titus 3:1- Remind them to be subject to rulers, to authorities, to be obedient, to be ready for every good deed.

1 Pet. 2:13-17- Submit yourselves for the Lord's sake to every human institution, whether to a king as the one in authority, <sup>14</sup> or to governors as sent <sup>[p]</sup>by him for the punishment of evildoers and the praise of those who do right. <sup>15</sup> For <sup>[q]</sup>such is the will of God that by doing right you may silence the ignorance of foolish men. <sup>16</sup> Act as free men, and <sup>[r]</sup>do not use your freedom as a covering for evil, but *use it* as bondslaves of God. <sup>17</sup> Honor all people, love the brotherhood, fear God, honor the <sup>[s]</sup>king.

### **39a**

Dan. 5:28- 'PERĒS'—your kingdom has been divided and given over to the Medes and <sup>[af]</sup>**Persians**.

Dan. 8:20- The ram which you saw with the two horns represents the kings of Media and **Persia**.

Dan. 10:13- But the prince of the kingdom of **Persia** was <sup>[o]</sup>withstanding me for twenty-one days; then behold, Michael, one of the chief princes, came to help me, for I had been left there with the kings of **Persia**.

Dan. 10:20- Then he said, “Do you <sup>[v]</sup>understand why I came to you? But I shall now return to fight against the <sup>[w]</sup>prince of **Persia**; so I am going forth, and behold, the <sup>[x]</sup>prince of <sup>[y]</sup>Greece is about to come.

### **39b**

Dan. 8:21- The shaggy <sup>[u]</sup>goat *represents* the <sup>[y]</sup>kingdom of **Greece**, and the large horn that is between his eyes is the first king.

Dan. 10:20- Then he said, “Do you <sup>[y]</sup>understand why I came to you? But I shall now return to fight against the <sup>[w]</sup>prince of Persia; so I am going forth, and behold, the <sup>[x]</sup>prince of <sup>[y]</sup>**Greece** is about to come.

## **40**

Dan. 9:26- Then after the sixty-two weeks the <sup>[aa]</sup>**Messiah will be cut off** and have <sup>[ab]</sup>nothing, and **the people of the prince who is to come will destroy the city and the sanctuary**. And <sup>[ac]</sup>its end *will come* with a flood; even to the end <sup>[ad]</sup>there will be war; desolations are determined.

## **41-43**

Dan. 7:24- As for the **ten horns**, out of this kingdom ten kings will arise; and another will arise after them, and he will be different from the previous ones and will subdue three kings.

Rev. 17:12- The **ten horns** which you saw are ten kings who have not yet received a kingdom, but they receive authority as kings with the beast for one hour

Isa. 9:6-7- For a child will be born to us, a son will be given to us; And the government will <sup>[i]</sup>rest on His shoulders; And His name will be called Wonderful Counselor, Mighty God, Eternal Father, Prince of Peace.<sup>7</sup> There will be no end to the increase of *His* government or of peace, On the throne of David and over his kingdom, To establish it and to uphold it with justice and



righteousness From then on and forevermore. The zeal of the LORD of hosts will accomplish this.

Dan. 7:23- Thus he said: ‘The fourth beast will be a fourth kingdom on the earth, which will be different from all the *other* kingdoms and **will devour the whole earth** and tread it down and crush it.

Rev. 13:5- There was given to him a mouth speaking <sup>[c]</sup>arrogant words and blasphemies, and authority to act for **forty-two months** was given to him.

Walvoord-The final form of the kingdom will include diverse elements whether this refers to race, political idealism, or sectional interests; and this will prevent the final form of the kingdom from having a real unity. This is, of course, borne out by the fact that the world empire at the end of the age breaks up into a gigantic civil war in which forces from the south, east, and north contend with the ruler of the Mediterranean for supremacy, as Daniel himself portrays in Daniel 11:36–45.<sup>2</sup>

Matt. 3:2- Repent, for the **kingdom of heaven** <sup>[c]</sup>is at hand.

## **47**

1 Tim. 3:6- *and* not a new convert, so that he will not become conceited and **fall into the condemnation** <sup>[d]</sup>**incurred by the devil.**

## **48**

---

<sup>2</sup> Walvoord, J. F. (2008). *Daniel: The Key To Prophetic Revelation* (p. 71). Galaxie Software.

Matt. 2:2- Where is He who has been born King of the Jews?  
For we saw His star in the **east** and have come to worship Him.

Gen. 2:8- The LORD God planted a garden toward the **east**, in Eden; and there He placed the man whom He had formed.

Gen. 11:2- It came about as they journeyed **east**, that they found a plain in the land of Shinar and <sup>[c]</sup>settled there

Dan. 9:25- So you are to know and discern *that* from the issuing of a <sup>[x]</sup>decree to restore and rebuild Jerusalem until <sup>[y]</sup>Messiah the Prince *there will be* seven weeks and sixty-two weeks; it will be built again, with <sup>[z]</sup>plaza and moat, even in times of distress.

Num. 24:17- I see him, but not now; I behold him, but not near;  
A **star** shall come forth from Jacob, A scepter shall rise from Israel, And shall crush through the <sup>[s]</sup>forehead of Moab, And <sup>[t]</sup>tear down all the sons of <sup>[u]</sup>Sheth

Deut 23:4- because they did not meet you with <sup>[b]</sup>food and water on the way when you came out of Egypt, and because they hired against you Balaam the son of Beor from Pethor of <sup>[c]</sup>**Mesopotamia**, to curse you.

## **49**

1 Peter 5:6- Therefore humble yourselves under the mighty hand of God, that He may exalt you at the proper time

Walvoord-Thus Daniel, the obscure Jewish captive who could have been lost to history like many others if he had compromised in chapter 1, is now exalted to a place of great

honor and power. Like Joseph in Egypt, he was destined to play an important part in the subsequent history of his generation.<sup>3</sup>

### **Conclusion**

Num. 6:24-26- The LORD bless you, and keep you; <sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you;<sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.

---

<sup>3</sup> Walvoord, J. F. (2008). *Daniel: The Key To Prophetic Revelation* (p. 78). Galaxie Software.